प्रबंध निदेशक का नव वर्ष संदेश

मेरे प्रिय डीएफसीसीआईएल परिवार के सदस्यों,

सर्वप्रथम, मैं आपको और आपके परिवार को नव वर्ष 2017 की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ की आने वाला वर्ष आप सब के जीवन में सुख, समृद्धि और संपन्नता लाये। यह अत्यंत ख़ुशी की बात है कि वर्ष 2017 की शुरुआत बीते साल की उपलब्धियों की मज़बूत बुनियाद पर हो रही है। साल 2016 डीएफसी के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस साल न केवल हमने अपनी स्थापना के दस वर्ष पूरे किए अपितु वर्ष के दौरान हमने प्रत्येक क्षेत्र (कांट्रैक्ट अवार्ड से लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति, विश्व बैंक की फंडिंग से लेकर पूंजीगत व्ययों की बढ़ोतरी, भूमि अधिग्रहण इत्यादि) में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की ।

डीएफसी ने वर्ष 2016 के दौरान कांट्रैक्ट अवार्ड के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दोनों कोरीडोरों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और एस ऐंड टी को मिलाकर कुल 18,०००/- करोड़ रुपये के कांट्रैक्ट अवार्ड किए गए, जो एक कैलेंडर वर्ष में अवार्ड किए गए कांट्रैक्ट का रिकॉर्ड है। इस वर्ष पश्चिमी डीएफसी में शत-प्रतिशत कांट्रैक्ट अवार्ड का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया।

पिछले वर्ष निर्माण कार्यों की प्रगति में भी ज़बर्दस्त प्रगति देखने को मिली। 30 मार्च 2016 को पूर्वी डीएफसी के 56 किमी लंबे न्यू दुर्गावती-सासाराम सेक्शन पर पहली व्यवसायिक माल गाड़ी सफलतापूर्वक संचालित की गई। पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी में 480 किमी मैकेनाइज़्ड ट्रैक लेइंग का कार्य पूरा किया गया जिसमे 300 किमी से ज्यादा 2016 में किया गया। दोनों कोरीडोर में निर्माण कार्यों की निगरानी एवं प्रबंधन के लिए रेलवे के इतिहास में पहली बार ड्रोन की स्पैशल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया। खुर्जा – कानपुर और रेवारी – पालनपुर खंडो के कार्यों की प्रगति में पांच गुनी बढ़ोत्तरी हुई है।

अबाध गति से निर्माण कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए वित्त की व्यवस्था में कोई क़सर नहीं छोड़ी गई। पूर्वी डीएफसी के तीसरे चरण (लुधियाना-खुर्जा सेक्शन) के लिए विश्व बैंक के साथ 650 करोड़ डॉलर के ऋण अनुबंध पर हस्ताक्षर के साथ ही दोनों कोरोडीरों में सौ प्रतिशत फंडिंग पूरी की जा चुकी है। पूंजीगत व्ययों के लिहाज़ से भी यह वर्ष काफ़ी सफल रहा। सितम्बर 2016 तक समाप्त छमाही में 4500 करोड़ रुपये के ख़र्चे पूंजीगत मदों में किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 148% ज़्यादा थे।

भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में दिसम्बर 2016 तक **95%** से ज़्यादा भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। डीएफ़सी ने वर्ष 2016 का प्रतिष्ठित "**Golden Peacock Award for Sustainability**" जीत कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

आप सब की मेहनत, कर्मठता और लगन के परिणामस्वरूप ही विगत वर्षों में लगातार अति उत्तम प्राप्त कर रही डीएफ़सी को **वर्ष 2015-16 में उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन रेटिंग (Outstanding MOU rating)** प्राप्त हुई है। ज़ाहिर है, पिछले साल की उपलब्धियां हमें नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित कर रही हैं और नए वर्ष की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे भीतर आत्मविश्वास पैदा कर रही हैं।

डीएफसी निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से वर्ष 2017 अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीएफसी परियोजना के महत्व से हम सभी परिचित हैं। इस परियोजना पर पूरे देश की निगाहें हैं। दोनों कॉरीडोर को दिसम्बर 2019 तक कमिशन करने का कठिन लक्ष्य हमें दिया गया है। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी सेक्शनों पर निर्माण कार्यों में तेजी लाना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। इसमे न केवल सिविल अपितु इलैक्ट्रिकल और सिग्नल के कार्यों को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें पूर्ण लगन से अपने कार्य को करना है। सही समय पर उचित निर्णय लेना अनिवार्य है। इसी के साथ गुणवत्ता तथा सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखना है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हम इस महान परियोजना के साथ जुड़े हैं। लेकिन साथ ही यह हमारे लिए एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है कि हम इस परियोजना को समय पर पूरा करने की लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें।

मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस परिवार का हर सदस्य अपनी इस ज़िम्मेदारी को भली-भाँति समझता है। वह पूरी लगन के साथ इसका निर्वहन करता आया है और करता रहेगा। आइए, नए साल की शुरुआत के साथ अपने इस संकल्प को और दृढ़ करें और राष्ट्र निर्माण के लिए मिले इस सुअवसर के सहभागी बनें ।

एक बार पुनः मैं आप को एवं आपके परिवार को नए वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाएँ देता हूं।

जय हिंद

आदेश शर्मा
प्रबंध निदेशक